Department of Political science By- DR. A.K. Yadav
D. B. College, Jaynagar (Asstt prof. G.P.T.T)
B. A-Part-III (Pub-Ad) Date-29-09-20

Lecture No- ~~29~~ 30

अनौपचारिक संगठन -(Informal organisation)-

अनौपचारिक संगठन वैसे संगठन को कहते है, जिनका निर्माण व्यवस्थित एवं नियोजित रूप में नहीं होता है, बल्कि उसका निर्माण स्वतः हो जाता है। अनौपचारिक संगठन को सामाजिक मनोवैज्ञानिक संगठन (social psychological organisation) भी कहा जाता है।

विचारक बर्नार्ड का कहना है कि -" एक संगठन उस समय अनौपचारिक माना जाता है, जब अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्धों का समूह संयुक्त उद्देश्य के लिए अनजाने में स्थापित हो जाता है।"

प्रो० डेविस के शब्दो में - " अनौपचारिक संगठन ऐसे व्यक्तिगत तथा सामाजिक सम्बन्धों का जाल है जिसकी स्थापना औपचारिक संगठन द्वारा नहीं की जाती है।"

एल० डी० व्हाइट के अनुसार - " अनौपचारिक संगठन ऐसे कार्यात्मक सम्बन्ध है जो लम्बे समय तक एक साथ कार्य करने वाले लोगो की आपसी अन्तः क्रियाओं के परिणामस्वरूप विकसित होते है।"

संगठन के अनौपचारिक विचारके मुख्य प्रवर्तक एल्टन मेयो तथा उनके सहयोगी है। उन्होंने वेस्टर्न बिजली कम्पनी के हॉथोर्न संयन्त्र के विषय में कुछ प्रयोगो के बाद देखा कि कुछ व्यक्तियों के अधिक समय तक मिलकर कार्य करने के

कारण उनमें औपचारिक संगठन से भिन्न सम्बन्ध विकसित हो जाते हैं और इसी संगठन को अनौपचारिक संगठन कहा जाता है।

अनौपचारिक संगठन के लाभ — अनौपचारिक संगठन से होने वाले लाभों को निम्नलिखित रूप में रखा जा सकता है —

① इससे समूहन क्रिया का काम काफी आसान हो जाता है।

② यह औपचारिक संगठन की खामियों को दूर करता है।

③ इसके प्रकाश से अधिशासियों को योजना बनाने तथा सावधानीपूर्वक कार्यों के सम्पादन में प्रोत्साहन मिलता है।

④ यह प्रबन्धक की योग्यताओं में कमी को दूर करता है।

⑤ इसके द्वारा कार्य समूह को संतुष्टि एवं ठोस आधार मिलता है।

अनौपचारिक संगठन से हानि —

अनौपचारिक संगठन में कुछ दोष भी होते हैं, जो निम्न है —

① यह विद्रोही स्वभाव का संगठन है

② इसके द्वारा झूठी खबरें फैलायी जाती है।

③ यह समूह की मनोवैज्ञानिक आवश्यकता के अनुरूप कार्य करता है।

④ यह उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रबन्ध की कोशिशों को अप्रभावकारी बनाता है।

(Email)

Date- 29-9-20

Scanned with CamScanner